महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416
मो. : 9794299451
Website: www.mpmahavidyalaya.org
E-mail : contact@mpmahavidyalaya.org
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांकः 12.01.2016

प्रकाशनार्थ

आतंकवाद और उत्पात से निकलनें का मार्ग विश्व को भारतीय चिन्तन प्रदान कर सकता है। **आध्यात्मिक सम्पन्नता और भौतिक समृद्धि विश्व कल्याण की संजीवनी है।** आध्यात्म के द्वारा मनुष्य में आन्तरिक शक्ति और भौतिक समृद्धि द्वारा वाह्य आवश्यकताओं की पूर्ति के द्वारा वर्तमान परिवेश में उन्नति सम्भव है। आज विश्व भारतीय दर्शन को आत्मसात करतें हुए निरन्तर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। स्वामी विवेकानंद ने इसी भारतीय दर्शन भारत सहित विश्व उत्थान की कुंजी के रूप में प्रस्तुत किया था। वर्तमान समय में स्वामी विवेकानंद का धर्म दर्शन और चिन्तन अत्यन्त प्रासंगिक है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर राष्ट्रीय सेवा योजना और क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **भारत–भारती पखवारा का उद्घाटन करते हुए स्वामी विवेकानंद जयन्ती समारोह** में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष, प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं सवेदनशील समाजसेवी **प्रोफेसर प्रताप सिंह** ने कही।

प्रोफेसर सिहं ने आगे कहा कि अशिक्षा गरीबी राष्ट्र उत्थान में सबसे बड़ी बाधा हैं। यह व्यक्ति का पौरूष खो देता है। हर भारतीय को गरीबों और दलितों के उत्थान का प्रसास करना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से उनको अन्याय और अत्याचार से मुक्ति दिलाई जा सकती है। इस हेतु युवाओं को आगे आना चाहिए। युवाओं में आसीम ऊर्जा संचित है, जरूरत उसको पहचान कर निखारने की है। यह चेतना पैदा होते ही भारत का पुननिर्माण की गति तीव्रता से बढ़ जायेगी। स्वामी विवेकानंद का चिन्तन और दृष्टि भारत की युवाओं को निरन्तर इसी बात की प्रेरणा देती है।

उन्होने समय–समय पर भारत के महापुरूषों ने दुनिया का मार्ग दर्शन किया है। उन्ही महापुरूषों में से एक स्वामी विवेकानंद जी थे। अल्प आयु

में स्वामी जी ने न केवल भारत बल्कि विश्व संसार को जो दृष्टि प्रदान की है। उस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है। वही प्रत्येक व्यक्ति में उत्साह और करूणा के प्रबन्धन और प्रसार का सशक्त माध्यम है। ऐसे ही सन्तों, सन्यासियों और महापुरूषों के कारण ही भारत सहित दुनिया में भयंकर उत्पात के बावजूद जीवन का वर्तमान और भविष्य की सम्भावनाएं निहित है। इस काले भयंकर कोहरे में आध्यात्म का मार्ग ही सुरक्षित और सन्तोष प्रद जीवन प्रदान कर सकता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय चौधरी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने जिस खुशहाल भारत का सपना देखा था, वह समय आ गया है जिसमें प्रत्येक युवा आत्मनिर्माण के साथ–साथ राष्ट्रनिर्माण के लिए संकल्पित होकर आगे बढ़े। कार्यक्रम में डॉ0 मृत्युंजय कुमार सिंह, दीप्ती गुप्ता, डॉ0 यशवंत राव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

सुश्री दीप्ती गुप्ता
कार्यक्रम प्रभारी